Fabric and Apparel Science Department
June 2024 - June 2025

"वस्त्र और परिधान विज्ञान विभाग"
जून 2024 - जून 2025

1. Handloom Day Celebration

Date: August 5, 2024 – August 10, 2024

The Department celebrated Handloom Week from August 5 to 10, 2024, with the aim of promoting awareness and appreciation for handloom textiles among students and staff. The highlight of the week was Handloom Day on August 7. Throughout the week, handloom sarees and dresses were showcased in the college foyer, complemented by a selfie point to encourage engagement. M.Sc. students led a sensitization campaign, conducting classroom discussions on the cultural significance of handloom textiles. A mass email was circulated inviting all students, faculty, and staff to wear handloom on August 7, take selfies at the display, and share them on social media. Additionally, around 70 students from B.Sc. and M.Sc. programs visited Handloom Haat, Janpath, and Dilli Haat, INA, to gain firsthand exposure to traditional weaving techniques and products.

1. हथकरघा दिवस समारोह

दिनांक: 5 अगस्त, 2024 - 10 अगस्त, 2024

विभाग ने छात्रों और कर्मचारियों के बीच हथकरघा वस्त्रों के प्रति जागरूकता और सराहना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 5 से 10 अगस्त, 2024 तक हथकरघा सप्ताह मनाया। सप्ताह का मुख्य आकर्षण 7 अगस्त को हथकरघा दिवस था। पूरे सप्ताह कॉलेज के फ़ोयर में हथकरघा साड़ियों और पोशाकों का प्रदर्शन किया गया, साथ ही सहभागिता को प्रोत्साहित करने के लिए एक सेल्फी पॉइंट भी रखा गया। एमएससी छात्रों ने हथकरघा वस्त्रों के सांस्कृतिक महत्व पर कक्षा चर्चा आयोजित करते हुए एक संवेदीकरण अभियान का नेतृत्व किया। सभी छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को 7 अगस्त को हथकरघा पहनने, प्रदर्शन में सेल्फी लेने और उन्हें सोशल मीडिया पर साझा करने के लिए आमंत्रित करते हुए एक सामूहिक ईमेल प्रसारित किया गया था। इसके अतिरिक्त, बी.एससी. के लगभग 70 छात्र। और एम.एससी. पारंपरिक बुनाई तकनीकों और उत्पादों का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने के लिए कार्यक्रमों ने हैंडलूम हाट, जनपथ और दिल्ली हाट, आईएनए का दौरा किया।

2. Crochet Workshop

Date: 12th September 2024
Duration: 2 Hours
No. of Participants: 110 students
Workshop organizer: Prof. (Dr.) Jyoti Aggarwal, Dr. Swati Yadav and Ms. Manisha Kumari

A workshop on Crochet was organized by the Department of Fabric and Apparel Science on 12th September 2024 to celebrate 'International Crochet Day'. The workshop aimed to introduce the students to the art of crocheting. The workshop began with a brief introduction to crocheting, crocheting techniques and its various applications. Participants were provided materials, including yarn and hooks, to facilitate hands-on learning. The workshop was designed to revive the craft of crocheting artisanal skill and instil a sense of pride among students in their ability to engage in handwork.

2. क्रोशै कार्यशाला

कपड़ा और परिधान विज्ञान विभाग द्वारा 12 सितंबर 2024 को 'अंतर्राष्ट्रीय क्रोकेट दिवस' मनाने के लिए क्रोकेट पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया था। कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को क्रॉचिंग की कला से परिचित कराना था। कार्यशाला की शुरुआत क्रॉचिंग, क्रॉचिंग तकनीकों और इसके विभिन्न अनुप्रयोगों के संक्षिप्त परिचय के साथ हुई। प्रतिभागियों को व्यावहारिक सीखने की सुविधा के लिए सूत और हुक सहित सामग्री प्रदान की गई। कार्यशाला को क्रॉचिंग के कारीगर कौशल को पुनर्जीवित करने और छात्रों के बीच हाथ से काम करने की क्षमता पर गर्व की भावना पैदा करने के लिए डिज़ाइन किया गया था।

3. Khadi Day Celebration National Khadi Day was celebrated on 4th October by showcasing an exquisite collection of ensembles and accessories called “Madhur Rachna” designed and created by the students of MSc in sync with the Cultural Society. A talk on “Indigenous weaving: The lion looms” was also organized in physical mode. This was delivered by Ms Bindoo Ranjan, Associate Professor, University School of Design and Innovation, GGS Indraprastha University.

3. खादी दिवस समारोह

4 अक्टूबर को राष्ट्रीय खादी दिवस सांस्कृतिक सोसायटी के साथ एमएससी के छात्रों द्वारा डिजाइन और निर्मित "मधुर रचना" नामक पहनावे और सहायक उपकरण के उत्कृष्ट संग्रह का प्रदर्शन करके मनाया गया। भौतिक मोड में "स्वदेशी बुनाई: शेर करघे" पर एक वार्ता भी आयोजित की गई। यह सुश्री बिंदू रंजन, एसोसिएट प्रोफेसर, यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ डिजाइन एंड इनोवेशन, जीजीएस इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी द्वारा दिया गया था।

4. Talk on Sustainable Fashion by Prerna Jain

Date: 14th October 2024
Duration: 1 Hours
No. of Participants: 65 students
Workshop organizer: Dr. Meena Batham and Dr. Noopur Sonee

A talk on "सस्टेनेबल फैशन: वर्तमान समय में इसकी प्रासंगिकता और बहु आयाम" Dr. Prerana Jain on 14th October 2024. This insightful session was held under the auspices of the Internal Quality Assurance Cell (IQAC) and the Hindi Pakhwara celebrations. Conducted entirely in Hindi, the talk aimed to raise awareness about sustainable fashion and its relevance in today's world. Dr. Jain delved into the pressing need for sustainable practices within the fashion industry, addressing issues such as environmental impact, ethical production, and resource conservation. She highlighted various dimensions of sustainable fashion, including recycling, upcycling, and the use of eco-friendly materials. The talk also encouraged students and faculty to consider how individual choices contribute to sustainability and inspired a shift towards mindful consumer habits. The event was well-received, sparking engaging discussions and motivating participants to adopt sustainable practices in their daily lives.

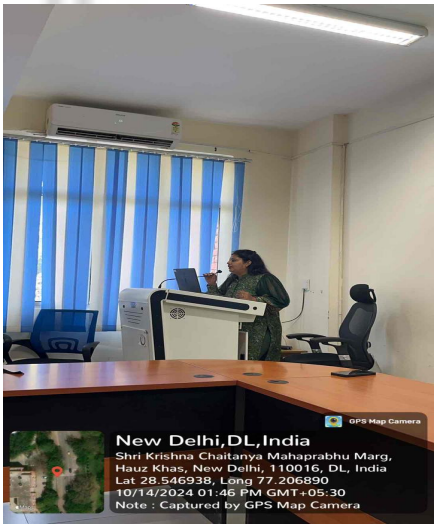

4. प्रेरणा जैन द्वारा सस्टेनेबल फैशन पर बातचीत

14 अक्टूबर 2024 को डॉ. प्रेरणा जैन द्वारा "सस्तेनेबल फैशन: वर्तमान समय में इसकी कमी और बहुआयामी आयाम" पर एक वार्ता। यह व्यावहारिक सत्र आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल (आईक्यूएसी) और हिंदी पखवाड़ा समारोह के तत्वावधान में आयोजित किया गया था। पूरी तरह से हिंदी में आयोजित इस वार्ता का उद्देश्य टिकाऊ फैशन और आज की दुनिया में इसकी प्रासंगिकता के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। डॉ. जैन ने पर्यावरणीय प्रभाव, नैतिक उत्पादन और संसाधन संरक्षण जैसे मुद्दों को संबोधित करते हुए फैशन उद्योग के भीतर टिकाऊ प्रथाओं की तत्काल आवश्यकता पर ध्यान दिया। उन्होंने टिकाऊ फैशन के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला, जिसमें रीसाइक्लिंग, अपसाइक्लिंग और पर्यावरण-अनुकूल सामग्रियों का उपयोग शामिल है। बातचीत ने छात्रों और संकाय को इस बात पर विचार करने के लिए प्रोत्साहित किया कि कैसे व्यक्तिगत विकल्प स्थिरता में योगदान करते हैं और जागरूक उपभोक्ता आदतों की ओर बदलाव को प्रेरित करते हैं। इस कार्यक्रम को खूब सराहा गया, जिससे आकर्षक चर्चाएं हुईं और प्रतिभागियों को अपने दैनिक जीवन में टिकाऊ प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

5. Pidilite Workshop

The Department organized a hands-on workshop on 23rd October, 2024 for BSc students. The session aimed to enhance students' creativity and practical skills in craft and design using Pidilite products. Trained expert from Pidilite conducted the workshop, demonstrating various techniques involving fabric painting, texture creation, and decorative art. Students actively participated, experimenting with materials and showcasing their creative ideas. The workshop provided an engaging platform for skill development and artistic expression, and was well-received by all attendees.

5. पिडिलाइट कार्यशाला

विभाग ने 23 अक्टूबर, 2024 को बीएससी छात्रों के लिए एक व्यावहारिक कार्यशाला का आयोजन किया। सत्र का उद्देश्य पिडिलाइट उत्पादों का उपयोग करके शिल्प और डिजाइन में छात्रों की रचनात्मकता और व्यावहारिक कौशल को बढ़ाना था। पिडिलाइट के प्रशिक्षित विशेषज्ञ ने कार्यशाला का संचालन किया, जिसमें फैब्रिक पेंटिंग, बनावट निर्माण और सजावटी कला से संबंधित विभिन्न तकनीकों का प्रदर्शन किया गया। छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया, सामग्रियों के साथ प्रयोग किया और अपने रचनात्मक विचारों का प्रदर्शन किया। कार्यशाला ने कौशल विकास और कलात्मक अभिव्यक्ति के लिए एक आकर्षक मंच प्रदान किया और सभी उपस्थित लोगों ने इसे खूब सराहा।

6. Eco-Printing Workshop

Date: 25th October, 2024
Duration: 3 hrs
Number of participants: 29 students
Workshop organizers: Dr. Noopur Sonee, Ms. Manisha Kumari, Ms. Nitika Joshi

A workshop on eco-printing was organized as an outreach activity for the students of Bhagini Nivedita College on 25th October 2024. The workshop aimed to introduce students to the eco-printing technique, a sustainable method of transferring natural pigments from leaves, flowers, and other plant materials onto fabric. The session began with a brief introduction to eco-printing, its techniques, and its applications in textiles. Participants were provided with materials to facilitate hands-on learning and guided through the steps of selecting suitable plant materials, preparing fabrics, and creating nature-inspired prints through steaming and boiling. The workshop encouraged students to adopt eco-friendly practices in art and design, instilling environmental awareness and creativity in their work.

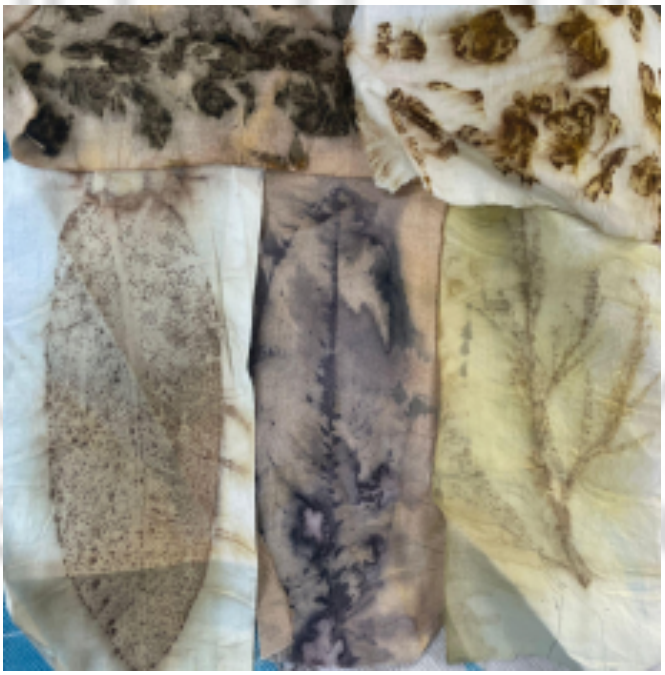

6. इको-प्रिंटिंग कार्यशाला

25 अक्टूबर 2024 को भगिनी निवेदिता कॉलेज के छात्रों के लिए एक आउटरीच गतिविधि के रूप में इको-प्रिंटिंग पर एक कार्यशाला आयोजित की गई थी। कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को इको-प्रिंटिंग तकनीक से परिचित कराना था, जो पत्तियों, फूलों और अन्य पौधों की सामग्री से प्राकृतिक रंगों को कपड़े पर स्थानांतरित करने की एक स्थायी विधि है। सत्र की शुरुआत इको-प्रिंटिंग, इसकी तकनीकों और वस्त्रों में इसके अनुप्रयोगों के संक्षिप्त परिचय के साथ हुई। प्रतिभागियों को व्यावहारिक सीखने की सुविधा के लिए सामग्री प्रदान की गई और उपयुक्त पौधों की सामग्री का चयन करने, कपड़े तैयार करने और भाप और उबालकर प्रकृति से प्रेरित प्रिंट बनाने के चरणों

के माध्यम से मार्गदर्शन किया गया। कार्यशाला ने छात्रों को कला और डिजाइन में पर्यावरण-अनुकूल प्रथाओं को अपनाने, अपने काम में पर्यावरण जागरूकता और रचनात्मकता पैदा करने के लिए प्रोत्साहित किया।

7. Annual Flower Show (28th February)

The Department participated in the 'Handloom fabric draping competition" in the 67th Flower show with full vigour and won 2 prizes- 3rd and 5th rank amongst several participants from various DU colleges.

7. वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी (28 फरवरी)

विभाग ने 67वें फ्लावर शो में 'हैंडलूम फैब्रिक ड्रेपिंग प्रतियोगिता' में पूरे जोश के साथ भाग लिया और विभिन्न डीयू कॉलेजों के कई प्रतिभागियों के बीच 2 पुरस्कार - तीसरी और 5वीं रैंक जीती।

Field Visits

1. Dilli Haat, NIFT Festival (11th September, 2024)

Date of Visit: September 11, 2024
Location: Dilli Haat, Delhi
Purpose: Educational Experience and Cultural Exposure
Participants: M.Sc 1 st semester
Instructor: Akanksha Jain

On September 11, 2024, Department of Fabric and Apparel Science organised the field trip of M.Sc 1st Semester to Dilli Haat , I.N.A. NIFT, Delhi organised the event Chaap, so various stalls and workshops were planned by them. The primary objective of the visit was to provide students with an immersive experience in traditional Indian arts, crafts, and cultural diversity.

1. दिल्ली हाट, निफ्ट महोत्सव (11 सितंबर, 2024)

11 सितंबर, 2024 को कपड़ा और परिधान विज्ञान विभाग ने दिल्ली हाट, आई.एन.ए. में एमएससी प्रथम सेमेस्टर की फील्ड यात्रा का आयोजन किया। निफ्ट, दिल्ली ने छाप कार्यक्रम का आयोजन किया, इसलिए उनके द्वारा विभिन्न स्टालों और कार्यशालाओं की योजना बनाई गई। यात्रा का प्राथमिक उद्देश्य छात्रों को पारंपरिक भारतीय कला, शिल्प और सांस्कृतिक विविधता का गहन अनुभव प्रदान करना था।

2. Crafts Museum (13th February, 2025)

The students of M.Sc. FAS (2nd semester) along with B.Sc. (Pass and Hons) students from semesters 4 and 6 were taken on an educational trip to the National Crafts Museum and Hastkala Academy, New Delhi, on 13th February 2025. This visit was organized to provide students with firsthand experience of India's rich

textile heritage and traditional craftsmanship. The trip coincided with the Indie Haat exhibition, a vibrant showcase of India's handicrafts and handloom heritage, which was part of Bharat Tex 2025. The exhibition featured 85 stalls displaying authentic artisanal products from skilled craftsmen nationwide. During the visit, students explored the diverse range of traditional Indian textiles, including Banarasi brocade, Chanderi, Maheshwari, Kanjeevaram, Paithani, Pochampally ikat, Phulkari and Kashmiri Pashmina, among others. They also attended a session on traditional crafts in an audio-visual room. The museum provided an immersive learning experience through its textile galleries, which showcased historical and contemporary weaving techniques and hand embroidery styles.

2. शिल्प संग्रहालय (13 फरवरी, 2025)

एम.एससी. के छात्र., बीएससी के साथ FAS (द्वितीय सेमेस्टर)। (पास और ऑनर्स) सेमेस्टर 4 और 6 के छात्रों को 13 फरवरी 2025 को राष्ट्रीय शिल्प संग्रहालय और हस्तकला अकादमी, नई दिल्ली की शैक्षिक यात्रा पर ले जाया गया। यह यात्रा छात्रों को भारत की समृद्ध कपड़ा विरासत और पारंपरिक शिल्प कौशल का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करने के लिए आयोजित की गई थी। यह यात्रा इंडी हाट प्रदर्शनी के साथ मेल खाती है, जो भारत के हस्तशिल्प और हथकरघा विरासत का एक जीवंत प्रदर्शन है, जो भारत टेक्स 2025 का हिस्सा था। प्रदर्शनी में देश भर के कुशल कारीगरों के प्रामाणिक कारीगर उत्पादों को प्रदर्शित करने वाले 85 स्टॉल थे। यात्रा के दौरान, छात्रों ने पारंपरिक भारतीय वस्त्रों की विविध रेंज का पता लगाया, जिनमें बनारसी ब्रोकेड, चंदेरी, माहेश्वरी, कांजीवरम, पैठानी, पोचमपल्ली इकत, फुलकारी और कश्मीरी पश्मीना शामिल हैं। उन्होंने ऑडियो-विज़ुअल रूम में पारंपरिक शिल्प पर एक सत्र में भी भाग लिया। संग्रहालय ने अपनी कपड़ा दीर्घाओं के माध्यम से एक गहन सीखने का अनुभव प्रदान किया, जिसमें ऐतिहासिक और समकालीन बुनाई तकनीक और हाथ की कढ़ाई शैलियों का प्रदर्शन किया गया।

3. Bharat Tex (17th February, 2025)

MSc Previous and final year students were taken to the Bharat Tex field visit on 17th February. The visit to Bharat Tex Expo 2025 was organized to provide MSc students with industry exposure and insights into the latest developments in the textile and apparel sector. The expo offered a platform to understand current trends in sustainability, innovation, heritage crafts, and textile technologies.

3. भारत टेक्स (17 फरवरी, 2025)

एमएससी प्रीवियस और फाइनल ईयर के छात्रों को 17 फरवरी को भारत टेक्स फील्ड विजिट पर ले जाया गया। भारत टेक्स एक्सपो 2025 की यात्रा का आयोजन एमएससी के छात्रों को उद्योग का अनुभव और कपड़ा और परिधान क्षेत्र में नवीनतम विकास की जानकारी प्रदान करने के लिए किया गया था। एक्सपो ने स्थिरता, नवाचार, विरासत शिल्प और कपड़ा प्रौद्योगिकियों में वर्तमान रुझानों को समझने के लिए एक मंच प्रदान किया।

4. Surajkund Mela (18th February 2025)

Students of M.Sc. FAS (Sem 2) and B.Sc. Hons Sem 6 visited the Surajkund International Crafts Mela, Faridabad, Haryana, on 18th February 2025 with faculty of Department of Fabric and Apparel Science. This educational trip was organized to provide students with practical exposure to India's rich textile traditions, handicrafts and indigenous craft techniques. The mela featured artisans from India and BIMSTEC nations, showcasing diverse weaving, dyeing and printing techniques. Students explored various textile crafts, including block printing, tie and dye, handloom weaving and natural dyeing. The 2025 theme state, Odisha, was well-represented with its stunning Pattachitra paintings and Sambalpuri textiles. Students had the opportunity to interact with skilled artisans, observe live craft demonstrations and understand the intricate craftsmanship behind traditional textiles. This visit provided a holistic learning experience, bridging theoretical concepts with real-world applications. Students gained deeper insights into textile heritage, sustainable craft practices, and the importance of preserving indigenous techniques.

4. सूरजकुंड मेला (18 फरवरी 2025)

एम.एससी. के छात्र. FAS (सेम 2) और बी.एससी. ऑनर्स सेमेस्टर 6 ने कपड़ा और परिधान विज्ञान विभाग के संकाय के साथ 18 फरवरी 2025 को सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेला, फरीदाबाद, हरियाणा का दौरा किया। यह शैक्षिक यात्रा छात्रों को भारत की समृद्ध कपड़ा परंपराओं, हस्तशिल्प और स्वदेशी शिल्प तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए आयोजित की गई थी। मेले में भारत और बिम्सटेक देशों के कारीगरों ने विविध बुनाई, रंगाई और छपाई तकनीकों का प्रदर्शन किया। छात्रों ने ब्लॉक प्रिंटिंग, टाई और डाई, हथकरघा बुनाई और प्राकृतिक रंगाई सहित विभिन्न कपड़ा शिल्पों का पता लगाया। 2025 थीम राज्य, ओडिशा को अपनी शानदार पट्टचित्र पेंटिंग और संबलपुरी वस्त्रों के साथ अच्छी तरह से प्रस्तुत किया गया था। छात्रों को कुशल कारीगरों के साथ बातचीत करने, लाइव शिल्प प्रदर्शन देखने और पारंपरिक वस्त्रों के पीछे की जटिल शिल्प कौशल को समझने का अवसर मिला। इस यात्रा ने सैद्धांतिक अवधारणाओं को वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों के साथ जोड़ते हुए एक समग्र शिक्षण अनुभव प्रदान किया। छात्रों को कपड़ा विरासत, टिकाऊ शिल्प प्रथाओं और स्वदेशी तकनीकों के संरक्षण के महत्व के बारे में गहरी जानकारी प्राप्त हुई।